आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–12 अक्टूबर 2025 सान्ध्य समाचार

लौह पुरूष के नाम से विख्यात भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल की एक सौ पचासवीं जयंती के अवसर पर इकतीस अक्टूबर से लेकर छब्बीस नवंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। इकतीस अक्टूबर को प्रदेश भर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। सरदार पटेल की जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि–

इकतीस अक्टूबर को रन फॉर मोदी का कार्यक्रम हर जनपद में आयोजित होगा और यह भारतीय जनता पार्टी भी है और सरकार भी मिलकर के भी इस कार्यक्रम के साथ पिछले ग्यारह वर्षों से निरंतर जुड़ती रही है। इस साल इसमें सरदार साहब की एक सौ पचास वर्ष जयंती के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इसमें और भी उत्साह है। भारतीय जनता पार्टी और सरकार ने भी यह निर्णय लिया है कि हर लोकसभा क्षेत्र में एक आठ से दस किलोमीटर की पद यात्रा इस दौरान निकाली जाएगी। .इन यात्राओं में विधानसभाओं एक नवंबर से पचीस नवंबर के मध्य आठ से दस किलोमीटर की पद यात्राएं हर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभाओं में आयोजित होंगी।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के योगदान को याद किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे वर्ष दो हजार चौदह से सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में हुयी एक महत्वपूर्ण बैठक में गोमती नदी पुनर्जीवन मिशन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पीलीभीत से गाजीपुर तक प्रवाहित गोमती केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और जीवनधारा की प्रतीक है। गोमती का पुनर्जीवन केवल जल का शुद्धिकरण नहीं, बल्कि संस्कृति और पर्यावरण के संवर्धन का व्यापक अभियान है। यह बैठक टेरीटोरियल आर्मी की पहल पर आयोजित की गयी थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने गोमती पुनर्जीवन मिशन की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गोमती नदी में एक बूंद भी सीवरेज न गिरे, इसके लिये अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाय।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वस्तु और सेवा कर यानी जीएसटी बचत उत्सव की घोषणा पिछले महीने की 22 तारीख को की थी। प्रदेश में भी विभिन्न उद्योगों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एक रिपोर्ट–

नए जीएसटी सुधार उत्तर प्रदेश के कारीगरों, किसानों और छोटे उद्यमों के लिए एक बड़ा बढ़ावा है।यह सुधार राज्य के पारंपरिक शिल्प और कपड़ा क्षेत्रों के लिए विशेष महत्व रखता है। कानपुर और आगरा के चमड़ा और जूता उद्योग, जिनमें दस लाख से ज़्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं, लाभान्वित होंगे क्योंकि ढाई हजार रुपये तक की कीमत वाली वस्तुओं पर अब केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसी तरह, लखनऊ की चिकनकारी जैसी हस्त–कढ़ाई की कृतियाँ उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ हो जाएँगी क्योंकि इसे पांच प्रतिशत कर स्लैब में रखा गया है, जिससे इन शिल्पों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हजारों कारीगरों को राहत मिलेगी। वहीं फिरोजाबाद के जीआई टैग कांच शिल्प को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा क्योंकि कांच के बर्तनों और चूड़ियों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। समर्थ के साथ, नितिका गुप्ता, आकाशवाणी समाचार, नई दिल्ली।

****

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस, एसीएफ और आरएफओ प्रारम्भिक परीक्षा–दो हजार पचीस आज दो पालियों में सम्पन्न हुयी। सवा छः लाख से अधिक पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिये प्रदेश भर में एक हजार चार सौ पैंतीस परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। सभी केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे। परीक्षा केन्द्रों की सीसीटीवी से निगरानी भी की गयी। परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करन के लिये आयोग ने इस बार अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमता–एआई आधारित निगरानी प्रणाली का भी इस्तेमाल किया।

****

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों से प्रवेश और परीक्षा शुल्क एकत्र करने के लिए यूपीआई अपनाने को कहा है। यह कदम विधायी, नीतिगत और संस्थागत सुधारों के माध्यम से जीवन और स्कूली शिक्षा में आसानी को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने से पारदर्शिता और अभिभावकों के लिए स्कूल जाए बिना भुगतान करने में सहजता होगी। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया है कि नकद भुगतान से डिजिटल भुगतान में बदलाव से स्कूल प्रशासन का आधुनिकीकरण होगा और दो हजार सैंतालीस तक विकसित भारत के लक्ष्य को बल मिलेगा।

****

कुशीनगर जिले के तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के नारायणी नदी के किनारे आगामी सत्ताइस से तीस अक्टूबर तक होने वाले मॉडल रोकेट्री प्रक्षेपण की तैयारियां जोरों पर हैं। क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने बताया कि यहाँ देश के छः सौ छात्रों की टीमों और एक सौ बीस अनुभवी वैज्ञानिकों द्वारा पचास कैनसेट मॉडल रॉकेट का प्रक्षेपण किया जायेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में अंतरिक्ष जागरूकता और वैज्ञानिक नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है।

****